दिनांक 16/06/2022

प्रकाशनार्थ

सीयूईटी से प्रवेश परीक्षा प्रणाली में आएगा व्यापक बदलाव विद्यार्थियों को मिलेंगे अधिक अवसर एवं विकल्परू प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल

शिक्षण संस्थानों को अन्तर्राष्ट्रीय रैंकिंग पर देना होगा ध्यानरू कुलपति

सी यू ई टी यानी कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट से उच्च शिक्षा की प्रवेश परीक्षा प्रणाली में व्यापक बदलाव आएगा। इससे छात्रों को अधिक अवसर एवं विकल्प उपलब्ध होंगे जहाँ वे अपने संस्थान एवं विषय का मनमुताबिक चयन करेंगे। केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के यूजी प्रोग्राम्स में एडमिशन के लिए कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट की शुरुआत की गई है। इस एक ही परीक्षा से छात्र कई विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए विकल्प का चयन कर सकते हैं। इससे बिना किसी परेशानी सिंगल विंडो के तहत प्रवेश की प्रक्रिया संपन्न होगी। देश की विविधता को देखते हुए इसे 13 भाषाओं में सम्पन्न कराया जा रहा है। प्रतिभागियों 27 विषयों से चयन का विकल्प उपलब्ध होगा। उक्त वक्तव्य दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के यूजीसी–एचआरडी सेंटर द्वारा कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (साईयूटी) विषय पर आयोजित की गई द्वितीय राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए हेमवतीनंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, गढ़वाल की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने कहा कि शिक्षा का अन्तर्राष्ट्रीयकरण समय की जरूरत है। हमें अपने संस्थानों की अन्तर्राष्ट्रीय रैंकिंग पर ध्यान देना होगा। एनईपी के अनेक सुझाव इसी दिशा की ओर संकेत करते हैं, जहाँ संस्थाओं, छात्रों और शिक्षकों को अपनी क्षमता बढ़ाकर रैंकिंग को सुधारना होगा। कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट से छात्रों को इच्छित संस्थानों के चयन में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए एचआरडी सेंटर के निदेशक प्रो. रजनीकांत पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देश एवं सुझाए गए विषयों पर दूसरी राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातक स्तर पर लागू की गई कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस विषय चर्चा के लिए था। कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट के समुचित क्रियान्वयन के लिए आवश्यक है कि इसपर लगातार विमर्श हो और शिक्षकों को इसके विभिन्न पक्षों से अवगत कराया जाए। कार्यशाला के महत्व एवं उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए समन्वयक एवं अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय कुमार शुक्ला ने कहा कि कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट केंद्रीय विश्वविद्यालयों में लागू कर दिया गया है। स्नातक कोर्सेज में केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के अंकों के आधार पर ही प्रवेश होगा। इसकी सबसे खास बात है कि कोई भी केंद्रीय विश्वविद्यालय 12वीं बोर्ड परीक्षा के अंकों के आधार पर प्रवेश नहीं लेगा, सभी 45 केंद्रीय विश्वविद्यालय सीयूटी के अंकों के आधार पर प्रवेश देंगे। इससे अलग–अलग बोर्ड के अंकों से बने मेरिट का अनावश्यक दबाव छात्रों पर नहीं होगा।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. छाया सिंह ने एवं आभार ज्ञापन सह समन्वयक एवं समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष पाण्डेय ने किया। डॉ तनु श्रीवास्तव ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। डॉ आभा द्विवेदी एवं डॉ अकील अहमद ने तकनीकी सहयोग दिया। इस दौरान विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 251 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में ऑनलाइन सहभागिता किया। इसे जूम एवं यूट्यूब लाइव के माध्यम से संचालित किया गया।

तीसरी कार्यशाला का आयोजन आज

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देश के अनुरूप दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के यूजीसी–एचआरडी सेंटर द्वारा नई शिक्षा नीति पर आयोजित किए जा रही कार्यशालाओं के क्रम में आज तीसरी कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। यह वर्कशॉप एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट विषय पर होगी। उक्त ऑनलाइन वर्कशॉप में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल का उद्‌बोधन होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. राजेश सिंह करेंगे।

Media and Public Relations Officer
Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur
University, Gorakhpur